2 फरीदाबाद
सेंगी आहलूवालिया के कलेक्शन का दीदार कर दीवाने हुए लोग

6 अभिमत
कॉन्ट्रासेप्टिव प्रतिबंध पर असमंजस

9 देश-विदेश
भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र होगा : राजनाथ सिंह

11 फीचर
हरित क्रांति के समय से शुरू हो गई थी समस्या

RNI NO. HARHIN/2018/75109
फरीदाबाद, मंगलवार, 16 मई, 2023

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

मुंबई के विजय अभियान पर रोक लगाने उतरेगी लखनऊ सुपर जाइंट्स
पेज - 12

इतिहास विभाग द्वारा एक-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

फरीदाबाद। अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ के इतिहास विभाग द्वारा भारतीय समाज में समग्र संस्कृति की ऐतिहासिकता विषय पर एक-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। इस संगोष्ठी को निदेशक उच्च शिक्षा हरियाणा द्वारा अनुमोदित किया गया था। कार्यक्रम का प्रारंभ दीपशिखा प्रज्ज्वलन एवं पौधा भेंटकर अतिथियों के सत्कार के साथ हुआ। प्राचार्य कहा कि यह संगोष्ठी एक मंच प्रदान करेगी और इतिहासविदों, शोधकर्ताओं व छात्रों के बीच बातचीत समक्ष करेगी। संगोष्ठी का उद्देश्य भारतीय संस्कृति की महत्वता और चुनौतियों पर गंभीर मंथन व चिंतन कर इसके विभिन्न पक्षों व धाराओं पर चर्चा कर भविष्य में आने वाली बाधाओं से सुरक्षित करना रहा। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय इतिहास विभाग से सेवानिवृत्त प्रोफेसर केएल टूटेजा रहे। उन्होंने कहा कि समकालीन समय में इतिहास, भारतीय संस्कृति की प्रासंगिकता और हमें इतिहास का अध्ययन क्यों और कैसे करना चाहिए। बीज वक्ता डॉ. प्रियतोष शर्मा, अध्यक्ष इतिहास विभाग पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ ने ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने हिंदुस्तान के निर्माण में सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतिमान एक अवलोकन विषय पर ऑनलाइन मोड में बात की। जिसमें उन्होंने ऐतिहासिक कालखंडों और हर चीज पर सवाल उठाने के विचार का पता लगाया और यह भी कहा कि ईश्वर की अंतिमता तय नहीं थी। मंच संचालन संगोष्ठी की आयोजन सचिव डॉ. सुप्रिया ढांडा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में संगोष्ठी के सहायक संयोजक डॉ. रामचंद्र, डॉ. नरेश कामरा, पूजा, सुभाष व लवकेश का विशेष योगदान रहा। सम्मेलन में लगभग 97 प्रतिभागियों ने भाग लिया।